

TIONS ON THE OCCASION OF HIS BIRTH CENTENARY

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिमा) :

डा० राजेन्द्रप्रसाद का जन्म शताब्दी समारोह 3 दिसंबर 1983 से मनाया जा रहा है। डा० राजेन्द्रप्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। राष्ट्र निर्माण के प्रत्येक क्रिया कलाप में उनकी गहरी छाप है। देश के प्रत्येक कण में उनके आदर्श और स्वप्न की झलक है। अपने आदर्शों और सिद्धांतों के माध्यम से उन्होंने जो मार्ग प्रशस्त किया वह आज भी हमारे लिए हितकर है। उनकी वाणी हमारे ज्योति स्तंभ हैं। उनकी यादगारी के लिए यह आवश्यक है कि हम उनके सिद्धांतों को अपनाएं। हमारे देश को शक्तिशाली बनाने और एकता के सूत्र में बांधने के लिए उनके आदर्शों को अपनाना जरूरी है। वर्तमान राष्ट्रपति जी के शब्दों में स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद जी का जीवन और आदर्श आज के युवा वर्ग के लिए महान प्रेरणादायक है। देश की आजादी और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में उनका योगदान अमूल्य है। इस संबंध में भारत सरकार से मेरा अनुरोध है कि वह राजेन्द्र प्रसाद जन्म शताब्दी समारोह में भरपूर योगदान दें और राजधानी में उपयुक्त स्थान पर उनकी सुंदर और भव्य मूर्ति स्थापित करें। बिहार सरकार ने इस आशय का एक प्रस्ताव भी केन्द्र के समक्ष भेजा है। मैं केन्द्र सरकार से पुनः प्रार्थना करती हूं कि राष्ट्र नायक और महान नेता श्री राजेन्द्र प्रसाद के जयंती समारोह को सुंदर और शानदार बनाने में पूरी रूचि लेकर राष्ट्रीय स्तर पर समिति का निर्माण कर इसे एक अविस्मरणीय घटना का रूप दिया जाए।

(iii) DRAWBACKS IN THE FUNCTIONING OF DELHI TELEPHONES DEPARTMENT

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur):  
Under rule 377, I raise the following matter of public importance.

Cross bar system of telephones in Delhi is not working satisfactorily with the result that subscribers have to hold on the line for long before getting a connection or an engaged tone. This system, therefore, needs modification or replacement.

There are a large number of complaints about jamming or inter-mingling of telephone lines or unauthorised use of telephones with the connivance of line staff and others with the result that S.T.D. facility is being misused and bills of one subscriber are debited to the other and some innocent subscribers. Similarly, there are instances that trunk call bills include charges of calls that were never booked. All this results in lot of inconvenience to the subscribers and in many cases the department has to suffer loss of revenue.

Standard of service and efficiency on Service Nos. 177, 198 and 199 and more particularly on Morning Alarm Service No. 173 is very poor.

All these matters need concerted action in order to improve standard of efficiency and performance of the Telephone Department.

(iv) WASTAGE OF FINE QUALITY OF COKING COAL IN COAL INDIA LTD.

SHRI A. K. ROY (Dhanbad) Sir,  
under rule 377, I raise the following matter of public importance.

More than one million tonnes of fine cooking coal i.e. about 10 per cent of the net production of washed coal supplied to the various steel plants are drained out of 10 washeries under Coal India Limited. This avoidable waste costs the country 50 crores per year. Apart from incurring loss, this huge quantity of coking coal fines pollute the water of the Damodar, the only source of drinking water in the Jharia Coal field. In addition to the C.I.L.'s washeries, two washeries of the TISCO and the same of the IISCO at Chasnala are also involved in this wasteful costly pollution.

(Shri A. K. Roy)

The importance of this waste and utilities of the coking coal fines have become suddenly established due to the drought in the Chhota Nagpur area when the dry river bed has exposed thick layer of deposited fine coking coal over the usual sand stretching for miles and the poor villagers have started making soft coke out of them as a new cottage industry.

While the drought-stricken villagers have been stopped from approaching the thick layer of coking coal fines on the bed of Damodar adjacent to Sudamdih washery, the recovery has been stopped as the controversy has arisen about the jurisdiction and as to whom the coal on the bed of the Damodar belongs. The nation as a whole and the people around without work in drought areas are interested that coal on the river-bed should be recovered first; otherwise, the crores of rupees worth of fine coking coal would be simply lost by going under water, increasing only siltation.

The Ministry of Coal must intervene and see that the precious coking coal on the dry bed of the Damodar worth crores of rupees is immediately recovered.

(V) NEED FOR CONSTRUCTION OF A NEW BRIDGE OVER BARNNA RIVER

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जनपद की हंडिया एवं फूलपुर तहसीलों के उत्तरी क्षेत्र से होकर बरना नदी बहती है। यह एक छोटी नदी है, जिसमें केवल वर्षा के दिनों में ही पानी रहा करता था। लगभग तीन वर्ष पूर्व से इस नदी में शारदा सहायक नहर का पानी गिरा दिया गया है, जिससे उसमें अब बारहों महीने पानी रहने लगा है। नदी काफी उथली हो गई है, जिससे उसका पानी दोनों तटों के बाहर दूर-दूर तक फैल जाता है। पानी का फैलाव बराबर बना रहने से हजारों हेक्टर

भूमि की फसलें बरबाद हो जाया करती हैं। कुछ समय पूर्व नदी को गहरी करने के लिये दस लाख से अधिक की धनराशि व्यय की गई थी, परन्तु कार्य नहीं हुआ। परिणामस्वरूप आज बरना नदी आसपास के गांवों के किसानों के लिये अभिशाप बन चुकी है।

इसी क्षेत्र में बरिया रामपुर रेलवे स्टेशन एवं धाना सराय ककरेज एक मार्ग जोड़ता है। बहुत समय पूर्व से इस मार्ग में बरना नदी पर एक छोटे आकार का पुल था, जो कुछ समय पूर्व से क्षतिग्रस्त हो चुका है। अब नदी में बारहों महीने पानी रहने से दोनों ओर के निवासियों के समक्ष आवागमन का भयंकर संकट उत्पन्न हो गया है।

जिससे समाज के कमजोर लोगों को अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। आने जाने एवं सामान ले जाने की विकट समस्या उपस्थित है। क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर अथवा समं प एक पुल के निर्माण की तात्कालिक आवश्यकता है।

मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि उपर्युक्त मामले में आवश्यक कार्यवाही की जाये ताकि नया पुल जल्दी बन जाये।

(VI) NEED FOR A DIRECTION FROM CENTRAL GOVERNMENT TO TAMIL-NADU FOR PROVIDING ELECTRICITY TO THE PEOPLE SPECIALLY THE FARMERS

SHRI K. MAYATHEVAR (Dindigul): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I make the following statement under rule 377:—

Due to power and electricity crisis in Tamil Nadu, almost all the industrial sectors, firms, mills and factories were already closed. About seven lakh employees and workers were thrown out of their job. The farmers